Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 43 , 06 नवम्बर, सोमवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

आरोपी ने पहले भी की थी नकल, दो और गिरफ्तार

नई दिल्ली। नकल के जरिए आईपीएस से आईएएस बनने कोशिश में गिरफ्तार अफसर पर चौतरफा शिकंजा कसता जा रहा है। आरोपी अफसर की नकल में गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस ने नकल में शामिल दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी आईपीएस अफसर सफीर करीम पिछले सप्ताह हुई यूपीएससी की मुख्य परीक्षा नकल करते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ था। पुलिस ने इस मामले में केरल के एक कोचिंग सेंटर के मालिक को भी गिरफ्तार किया है। आरोप है कि कोचिंग सेंटर का एक मैनेजर करीम को नकल करने में मदद कर रहा था। इतना ही नहीं कोचिंग सेंटर ने यूपीएससी को गलत सूचनाएं उपलब्ध कराकर इस साल करीम को प्री की परीक्षा भी पास कराई थी। केरल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चेन्नई पूछताछ के लिए लाई है।

अब घर पर ही मोबाइल नंबर को आधार से लिंक करा सकेंगे आप

नई दिल्ली। टेलिकॉम कंपनियों के सेंटर जाकर अब आपको मोबाइल नंबर आधार से लिंक कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब इसे आप घर बैठे ही करा सकेंगे। जी हां! एक दिसंबर से यह काम घर बैठे हो जाएगा। अभी कंज्यूमर्स को मोबाइल सेंटर जाकर ही सिम को आधार से लिंक कराना पड़ता है। लोगों की परेशानी को देखते हुए डिपॉर्टमेंट ऑफ टेलिकॉम (DoT) ने कंपनियों को ऑनलाइन फैसिलिटी शुरू करने के निर्देश दिए थे।

सेना ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की, दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। कश्मीर में सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा के पास उरी सेक्टर में आज सुबह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से घुसपैठ की कोशिश को विफल किया जिसमें दो आतंकवादी मारे गये। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने बताया कि नियंत्रण रेखा के पास गश्त करने के दौरान सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के सीमा के अंदर घुसपैठ की भनक लगी। सुरक्षा बलों ने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें दो आतंकवादी मारे गये। कर्नल कालिया ने कहा कि अंतिम समाचार मिलने तक आतंकवादियों के खिलाफ तलाशी अभियान जारी है। गौरतलब है कि नियंत्रण रेखा के उस पार बड़ी संख्या में प्रशिक्षित आतंकवादी सीमा के अंदर घुसने की फिराक में हैं क्योंकि बर्फबारी होने के बाद घुसपैठ के सभी मार्ग बंद हो जाते हैं। सुरक्षा बलों को हालांकि हाई अलर्ट पर रखा गया है और गहन गश्त की जा रही है।

'70 रुपये की चोरी के आरोप में टीचर ने मुझे कपड़े उतारने के लिए कहा'

भोपाल। मध्यप्रदेश के दामोह जिले में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां एक स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा ने टीचर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा का कहना है कि टीचर ने अन्य छात्रा के 70 रुपये चोरी होने के आरोप में उससे कपड़े उतारने को कहा। यह पूरा मामला तब सामने आया जब शिक्षा विभाग ने मामले में कमेटी बनाने का आदेश दिया। इससे पहले छात्रा के माता-पिता ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया था। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) पीपी सिंह ने घटना को स्वीकार करते हुए कहा है कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और यदि आरोपी टीचर ज्योति गुप्ता दोषी पाई जाती हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात को दामोह के रानी दुर्गावती गर्ल्स हाई स्कूल में पढ़ने वाली 10 वर्षीय छात्रा ने अपने पिता से टीचर के खिलाफ शिकायत की थी। उसने बताया कि टीचर ने उससे सलवार उतारने के कहा, जिससे वह देख सकें कि छात्रा ने 70 रुपये की चोरी की है या नहीं। इसके अलावा टीचर पर पैसे खोजने के लिए तांत्रिक बुलाने की बात करने का भी आरोप लगा है।

पिता ने कहा, बेटी ने नहीं किया डिनर

छात्रा के पिता ने बताया कि इस घटना के बाद बेटी ने रात का डिनर भी नहीं किया था। इसके बाद पिता और मां ने स्कूल प्रशासन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। दोनों शुक्रवार को स्कूल की प्रिंसिपल रीता असाती से मिले। शुरुआत में उन्होंने इस तरह की घटना होने से इंकार किया। वहीं, शनिवार को छात्रा ने स्थानीय मीडिया को बताया कि 70 रुपये खोने के बाद टीचर ने सभी के स्कूल बैग की तलाशी ली।

लखनऊ के आनंदेश्वर बने एचएफआई के महासचिव

लखनऊ। राजधानी के आनंदेश्वर पाण्डेय हैण्डबाल फेडरेशन ऑफ इण्डिया (एचएफआई) के नए महासचिव चुने गए। वहीं तमिलनाडु के डा. एम. रामा सुब्रामनी अध्यक्ष बने। गोमतीनगर स्थित बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में हुए कार्यकारिणी के चुनाव में देश भर की राज्य हैण्डबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए।

इस चुनाव की खासियत यह रही कि सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। आनंदेश्वर पाण्डेय के पास इसके पहले एचएफआई का कार्यभार था। पिछले समय से एचएफआई में खींचतान चल रही थी, पर रविवार हो हुए इस चुनाव में सभी आनंदेश्वर पाण्डेय के पक्ष में खड़े दिखाई दिए। कार्यकारिणी में पहलवान पद्मश्री सतपाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। झारखण्ड के डा. प्रदीप बालामुची को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया।

गांव में हैण्डबाल का विकास होगा

एचएफआई की नई कार्यकारिणी ने बताया कि उसका उद्देश्य देश में हैण्डबाल का विकास करना है। इसके लिए तमाम योजनाएं हैं। जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी सिलसिले में 20 नवम्बर से हैदराबाद में हैण्डबाल की एशियन क्लब लीग होने जा रही है। इसका सीधा प्रसारण विभिन्न चैनलों पर किया जाएगा। इसमें एशिया के एक से एक धुरंधर खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे।

इसके अलावा एचएफआई ने तय किया है कि हैण्डबाल को गांव व कस्बों में विकसित किया जाए। इसके लिए जिला एसोसिएशन गांवों में हैण्डबाल की ट्रेनिंग व प्रतियोगिताओं की व्यवस्था करेगी। गांवों में प्रतिभाओं को खोजा जाएगा। इन्हीं खिलाड़ियों में किसी को कोच बनाया जाएगा। सप्ताह में दो बार जिला स्तर के कोच जाकर उन्हें इस खेल की बारीकियां सिखाएंगे।

अकादमी खोलने की भी योजना

एचएफआई राज्य में कम से कम एक हैण्डबाल अकादमी खोलने की भी योजना पर विचार कर रही है। कोशिश होगी कि यह राज्यों की राजधानी में खोली जाए। इसके लिए राज्य सरकारों के साथ निजी क्षेत्र के लोगों से भी बात की जाएगी। यही नहीं भारतीय खेल प्राधिकरण से भी इस योजना पर वार्ता होगी।

चुनी गई कार्यकारिणी :

अध्यक्ष : डा. रामा सुब्रामनी (तमिलनाडु)। वरिष्ठ उपाध्यक्ष : डा. प्रदीप बालामुची (झारखण्ड)। उपाध्यक्ष : एएस सिद्धू (साउथ जोन), सुरेश पिल्लई (वेस्ट जोन), पद्मश्री सतपाल (नॉर्थ जोन), अमल नारायण पटवारी (ईस्ट जोन), रीना सरीन (महिला)। महासचिव : आनंदेश्वर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश), संयुक्त सचिव : तेज राज सिंह (वेस्ट जोन), एनएन पाण्डेय (साउथ जोन), जगमिंदर सिंह (नॉर्थ जोन), बृज किशोर (ईस्ट जोन), वीना शेखर (महिला)। कोषाध्यक्ष : प्रीत पाल सालूजा (मध्य प्रदेश)। कार्यकारिणी सदस्य : रनधीर सिंह (महाराष्ट्र), पवन कुमार (तेलंगाना), एनके शर्मा (हिमाचल प्रदेश), वेंकटेश्वर राव (आंध्र प्रदेश), अश्विनी रैना (जम्मू एवं कश्मीर), जसबीर सिंह (रेलवे), रमाशंकर शर्मा (उत्तराखण्ड), राजकुमार पालीवा (सीआरपीएफ), स्नेहलता (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी)।

राहुल का वार:

शायराना अंदाज में कहा- काम दो वरना खाली करो सिंहासन

गांधी ने ट्विटर पर लिखा, महंगी गैस, महंगा राशन, बंद करो खोखला भाषण, दाम बांधो, काम दो वरना खाली करो सिंहासन।'' गौरतलब है कि इस माह के शुरू में सब्सिडी वाले रसोई गैस की कीमत में 4.50 रुपये और गैर सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 93 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

नई दिल्ली। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने मंहगाई को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। इस माह के शुरू से रसोई गैस के सिलेंडर के दाम बढ़ने पर गांधी ने सरकार पर ट्विटर के जरिए हमला किया है। गांधी ने ट्विटर पर लिखा, महंगी गैस, महंगा राशन, बंद करो खोखला भाषण, दाम बांधो, काम दो वरना खाली करो सिंहासन।'' गौरतलब है कि इस माह के शुरू में सब्सिडी वाले रसोई गैस की कीमत में 4.50 रुपये और गैर सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 93 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले ही सब्सिडी वाली रसोई गैस की कीमतों में 4.50 रुपये प्रति सिलिंडर के हिसाब से इजाफा कर दिया गया है। गैर सब्सिडी वाले सिलिंडरों की कीमत भी बढ़ा दी गई है। इसके अलावा जेट फ्यूल की कीमत में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ है। जुलाई 2016 के बाद से सरकार ने 19वीं बार रसोई गैस की कीमतों में इजाफा किया है। पिछले साल जुलाई में सरकार ने हर महीने कीमत बढ़ाकर गैस सिलिंडर पर सब्सिडी खत्म करने का निर्णय लिया था। तब से लेकर अबतक 19वीं बार कीमत में हुए इजाफे के मुताबिक घरेलू रसोई गैस का सब्सिडीयुक्त 14.2 किलोग्राम का एक सिलिंडर अब 495.69 रुपये में मिलेगा। बिना-सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलिंडर की कीमत 93 रुपये बढ़कर 742 रुपये प्रति सिलिंडर हो गई है। इससे पहले आखिरी बार एक अक्तूबर को इसकी कीमत 50 रुपये बढ़ाकर 649 रुपये की गई थी।

मेट्रो की पार्किंग जमीन से 15 मीटर ऊपर

औद्योगिक आवास योजना के तहत आवंटित मकानों को भी मालिकाना हक

नई दिल्ली। डीएमआरसी ने तकनीक का सहारा लेते हुए मेट्रो ट्रेनों को पार्क करने के लिए जसोला और कालिंदी कुंज में जमीन से करीब 15 मीटर की ऊंचाई पर एक बड़ा सा एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड का निर्माण किया है।

जसोला में जहां एक साथ 21 ट्रेनें खड़ी होगी जबकि कालिंदी कुंज में एक साथ 12 ट्रेनें खड़ी की जा सकेगी। एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड के नीचे की जगह पर गाड़ियों के लिए पार्किंग बनाई गई है। पार्किंग की समस्या से सिर्फ दिल्लीवासी ही नहीं जूझ रहे है बल्कि मेट्रो ट्रेन भी जूझ रही है। ऐसे में डीएमआरसी ने इस समस्या का सामाधान अपने तरीके से तकनीक का इस्तेमाल कर निकाला है। दरअसल दिल्ली मेट्रो की नई लाइन बनाने की शुरु आत जनकपुरी और कालिंदी कुंज के बीच हुई, तो इस रूट पर ओखला जामिया इलाके में जगह की कमी पड़ गई, क्योंकि दिल्ली मेट्रो को सिर्फ लाइन बनाने के लिए ही नहीं बल्कि स्टेशन और फिर ट्रेन डिपो बनाने के लिए भी जगह की जरूरत होती है।

डिपो के लिए दिल्ली मेट्रो को ज्यादा जगह चाहिए होती है, क्योंकि मेट्रो के डिपो में न सिर्फ ट्रेनों की देखरेख होती है, बल्कि यहां उस वक्त मेट्रो ट्रेनों को पार्क किया जाता है, जब वह कमर्शियल ऑपरेशन में नहीं होती हैं। डीएमआरसी के अनुसार मेट्रो की मजेंटा लाइन पर जब काम शुरू हुआ तो डिपो के लिए कालिंदी कुंज का इलाका तय किया गया। क्योंकि यही वह इलाका था, जहां कुछ जगह उपलब्ध थी लेकिन मेट्रो को उक्त जगह से ज्यादा जरूरत थी।

एनआईटी दिल्ली का कैम्प बनेगा नरेला सब सिटी में

इस बार मेट्रो ने आर्किटेक्चर की मिसाल कायम करते हुए कालिंदी कुंज के साथ ही उसी से लगे हुए जसोला विहार स्टेशन के पास हवा में ही मेट्रो की पार्किंग के लिए जगह बना दी। जसोला विहार और कालिंदी कुंज पर दिल्ली मेट्रो ने जमीन से करीब 15 मीटर ऊंचाई पर पूरा एक सरफेस बना दिया। यह सरफेस करीब चालीस मीटर चौड़ा और डेढ़ किलोमीटर लंबा है।

इस सरफेस पर रेल ट्रैक बिछाए गए हैं और इसे डिपो के साथ जोड़ दिया गया है। यहां एक साथ करीब 35 से ज्यादा मेट्रो ट्रेनों की पार्किंग हो सकती है। मेट्रो ने इसे एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड का नाम दिया है। यहां सिर्फ ट्रेनें पार्क ही नहीं होगी बल्कि उनका रख रखाव भी किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो के प्रवक्ता के अनुसार एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड के बनने से जहां मेट्रो ट्रेनों को पार्क करने के लिए समुचित जगह मिल गई है वहीं दूसरी ओर मेट्रो ट्रेन पकड़ने आने वाले यात्रियों के लिए कार, स्कूटर पार्क करने के लिए भी पार्किंग बनाई गई है। इससे यात्रियों को अपने वाहन दूर खड़ा करके मेट्रो स्टेशन तक आने की परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

जसोला में जहां एक साथ 21 ट्रेनें खड़ी होगी जबकि कालिंदी कुंज में एक साथ 12 ट्रेनें खड़ी की जा सकेगी। एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड के नीचे की जगह पर गाड़ियों के लिए पार्किंग बनाई गई है।

पीड़िता का दर्द-आरोपियों को चौराहे पर खड़ा कर फांसी दें

भोपाल। भोपाल गैंगरेप पीड़िता ने घटना के दो दिन बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि हम एक थाने से दूसरे थाने आरोपियों की शिकायत दर्ज कराने के लिए जा रहे थे,लेकिन कोई भी हमारी बात को गंभीरता से नहीं ले रहा था। एक भी आरोपियों को जिंदा नहीं छोड़ना चाहिए, उन्हें चौराहे पर उल्टा लटकाकर फांसी दे देनी चाहिए। क्या है पूरा मामला गुरुवार को भोपाल के हबीबगंज स्टेशन के पास 19 साल की छात्रा के साथ गैंगरेप की वारदात हुई। आरपीएफमें कार्यरत अस्सिटेंट सब इंस्पेक्टर की 19 साल की बेटी का आरोप है कि कोचिंग क्लास से वापस घर लौटते वक्त उसके साथ 4 लोगों ने गैंगरेप किया। इस मामले में भोपाल की एसपी जीआरपी, अनीता मालवीय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 डी, 394, 34 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चार पुलिस अधिकारी निलंबित किए गए हैं और शहर के एसपी का तबादला कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक 3 लोगों को अरेस्ट किया है। जीआरपी के एएसपी धर्मेंद्र सिंह ने शुक्रवार को बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक आरोपी की पहचान की जा रही है।

मुंबई एयरपोर्ट पर एक शख्स के पास मिले 10 लाख के Iphone& X

नई दिल्ली। ऐप्पल आईफोन × को भारत में लॉन्च हुए अभी दो दिन ही हुए हैं लेकिन फोन की हेरा-फेरी अभी से चालू हो गई है। एयर इंटेलिजेंस एजेंसी ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी एंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक शख्स को 11 आईफोन के के साथ पकड़ा है। गिरफ्तार किए गए पैसेंजर का नाम भावेश रावजीभाई बताया जा रहा है।

मुंबई पुलिस ने आरोपी को उस वक्त अरेस्ट किया जब वो शनिवार को हांगकांग से भारत से आ रहा था। इन 11 आईफोन्स की कीमत 10,57, 388 आंकी गई है। कस्टम ऑफिसर का कहना है कि हम मामले की जांच कर रहे हैं कि पैसेंजर क्यों इतने सारे मोबाइल अपने साथ ले जा रहा था। हालांकि पैसेंजर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। बता दें कि भारत में आईफोन एक्स को

लेकर काफी दीवानगी है। हाल ही में इसकी दीवानगी का एक सबूत भी सामने आया था। मुंबई से सटे ठाणे में एक शख्स फोन को खरीदने बैंड बाजे के साथ पहुंचा था। महेश पालिवाल नाम का यह शख्स घोड़ी पर चढ़कर ऐप्पल स्टोर पहुंचा और पूरे एक लाख 2 हजार रुपये देकर आईफोन X खरीदा। महेश ने एक पोस्टर भी लखा रखा था जिसपर लिखा था i love iphone।

राज्य क्रांस कंट्री में लखनऊ की कविता व पुष्पा को स्वर्ण

लखनऊ। कुशीनगर में रविवार को हुई राज्य क्रास कंट्री चैंपियनशिप में लखनऊ हॉस्टल की एथलीटों ने बालिका अण्डर-20 में अपना दबदबा साबित किया। पहले पांच स्थानों पर लखनऊ की एथलीट रहीं। जबकि कविता ने खिताब जीता। वहीं अण्डर-16 बालिका में लखनऊ की पुष्पा ने सबको पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। वाराणसी की टीम ने पुरुष चैंपियनशिप जीती।अण्डर-20 की छह किलोमीटर लम्बी दौड़ में लखनऊ हॉस्टल की कविता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 20 मिनट 41.03 सेकेंड का समय निकाला। वहीं खुशबू गुप्ता दूसरे और नेहा तीसरे स्थान पर रहीं। ये सभी एथलीट लखनऊ की हैं। वहीं अण्डर-16 में लखनऊ की पुष्पा ने दो किलोमीटर की दौड़ में 6 मिनट 45.77 सेकेंड का समय निकाल कर पहला स्थान हासिल किया। इलाहाबाद की शिवानी चौरसिया दूसरे और कुशीनगर की अनीता पटेल तीसरे स्थान पर रहीं। अंडर-18 की 4 किलोमीटर की दौड़ में लखनऊ की काजल शर्मा को दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। इस दौड़ का स्वर्ण पदक वाराणसी की अमृता पटेल ने जीता। तीसरे स्थान पर वाराणसी की ही प्रेमलता रहीं। मेजबान कुशीनगर के राजकिशोर रावत ने पुरुषों में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए 10 किलोमीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। वहीं महिलाओं की 10 किलोमीटर की दौड़ में महाराजगंज की सुमन सिंह ने बाजी मारी। बालक अण्डर-20 में इलाहाबाद के धर्मेंद्र यादव पहले स्थान पर रहे। कुशीनगर के दिलीप कुमार पटेल को दूसरा स्थान मिला। पुरस्कार वितरण स्थानीय सांसद राजेश पाण्डेय ने किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव पीके श्रीवास्तव व परिवहन अधिकारी एके त्रिपाठी मौजूद रहे।

उस व्यक्ति ने अमरत्त्व प्राप्त कर लिया है,
जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता।
स्वामी विवेकानंद

''पदमावती'

यह उल्टा जमाना है। जिसकी तारीफकी जाती है, उसे संदेह से देखा जाता है। जिसका विरोध होता है, उसकी वैल्यू बढ़ जाती है। विरोध में आकर्षण है। जिसका जितना विरोध, उसका उतना ही भाव। यही बिकता है। लोगों में जिज्ञासा होती है कि देखें कि क्या है। अब तक हम एक ही ''पदमावती' को जानते थे। यह हिंदी के महाकवि मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य में रची गई ''पदमावती' है। प्रोमोटरों और मीडिया की मेहरबानी से अब कई-कई पदमावती दिखने लगी हैं : एक है भंसाली की ''पद्मावती'। दूसरी ''करनी सेना' की ''पदमावती'। तीसरी वघेला साहब की पदमावती। चौथी गुजरात के शिक्षा मंत्री की ''पदमावती'। पांचवीं है उमा भारती की पदमावती। जितने मुंह उतनी पदमावती। पदमावती की जय हो। भंसाली जल्दी रिलीज चाहते हैं ताकि फिल्म कमाई कर सके। उधर, फिल्म को बिना देखे विरोध करने वाले मानते हैं कि फिल्म इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। पदमावती का अपमान करती है। गुजरात में चुनाव होने जा रहे हैं। सभी नेता अतिरिक्त संवदेनशील होते दिखते हैं। सबसे पहले वघेला ने कहा कि पहले फिल्म हमें दिखाई जाए। हम ओके कर दें तो रिलीज की जाए। गुजरात सरकार के मंत्रियों ने चुनाव आयोग को लिखा है कि रिलीज को रोका जाए। फिर एक केंद्रीय मंत्री ने सुझाया कि इतिहासज्ञों और विद्वानों की एक कमेटी बनाई जाए जो पहले देखे कि फिल्म में इतिहास के साथ कहां और कैसी तोड़-मरोड़ की गई है। जब सब तय हो जाए, तब दिखाया जाए। टीवी चैनलों को कई दिनों का काम मिल गया है। वे आधे स्क्रीन में ''पदमावती' का ''प्रोमो' दिखाते हैं, और आधे में बहसें करवाते हैं कि पदमावती रिलीज हो कि न हो? एक पक्ष चाहता है कि सेंसर बोर्ड के ओके के बाद किसी को हक नहीं कि उसे फिर से सेंसर करे। ऐसा होने लगा तो रिलीज से पहले फिल्म हर आदमी को दिखानी पड़ेगी, तब तो फिल्में बन लीं। विरोध करने वाले कहते हैं कि फिल्म में इतिहास से तोड़-मरोड़ की गई है, जो किसी शर्त पर बर्दाश्त नहीं हो सकती। कलांवत और लिबरल टाइप कहते हैं कि भई, यह तो कला है, आर्ट है, इतिहास नहीं है। इसलिए इसे इतिहास की तुला पर न तोलो। फिल्म को रोकना अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का हनन है। ऐसी ही एक गरमागरम बहस में एक एंकर कहने लगी कि पदमावती कोई ऐतिहासिक चरित्र नहीं है। वह तो लोकगाथा की नायिका है, और फिल्म एक कला है।

अभिव्यक्ति की आजादी है। विरोध करना जायज नहीं, तो जवाब आया कि जो पदमावती को ऐतिहासिक मानने से मना करते हैं, वे तो राम को भी नहीं मानते। तो क्या राम नहीं हुए? पिछले महीनों के दौरान भंसाली की पदमावती तीन-चार बार चैनल-चरचाओं में आ चुकी है। अब फिर चरचा में बनी हुई है। हमारा मानना है कि यह सबसे लंबा प्रोमो है, जिसमें विरोध करने वालों के ''विरोध' के बारे में तरह-तरह की अफवाहें उड़ती नजर आती हैं। एक विरोधी ने तो एक चरचा में मान भी लिया कि फिल्म को हिट कराने के लिए लोग विवाद कराते हैं। वे विरोध कर रहे थे, या हिट करने के तरीके बता रहे थे? हमें तो लगा कि वे दोनों काम कर रहे हैं। हम जानते हैं कि जब तक पदमावती रिलीज नहीं होती तक तक हल्ला होता रहेगा। जिस दिन रिलीज होगी उस दिन उत्तेजना बिकेगी। मीडिया पूछता फिरेगा कि रिलीज होगी कि नहीं? एक समूह कहेगा : ''आयम फॉर पदमावती'। दूसरा कहेगा :''डाउन विद भंसाली की पदमावती'। फ्री का यह प्रोमो चलता रहेगा। मीडिया दो तरीके से फिल्मों का ''प्रोमो' करता है : पहला : ''पॉजिटिव'। दूसरा : ''निगेटिव'। ''पॉजीटिव प्रोमो' में हीरो-हीरोइन-निर्देशक दर्शकों को समझाते रहते हैं कि हमारी फिल्म कमाल की है। सबने बहुत अच्छा काम किया है।

आप देखने आ रहे हैं ना? लेकिन आजकल पॉजिटिव से ज्यादा ''निगेटिव' प्रोमोज फिल्मों को ज्यादा हिट कराते हैं। पदमावती को लेकर किया जा रहा विवाद प्रकारांतर से उसका ''प्रोमो' ही कर रहा है। यह ''निगेटिव' किस्म का प्रोमो है। यह किसी चीज का ''विरोध' के जरिए उसकी ''मांग' पैदा करता है। जितना विरोध उतना ही भाव। पदमावती रिलीज हो जाएगी तो सारा विवाद ठंडा हो जाएगा। ''उड़ता पंजाब' हो या ''सुल्तान' हो या ''दंगल' या तेलुगू की ''बाहुबली' या ऐसी ही अन्य फिल्में, सबके साथ यही हुआ। पहले विवाद हुआ। फिर खूब कमाई करने वाली बनीं। कई जानकार बताते हैं कि बहुत से विवाद ''पेड' होते हैं। यह चक्र चलते रहना है : पदमावती के बाद फिर से कोई कुछ रिलीज करेगा तो फिर से कोई विरोध करेगा और ''हिट' होने की कोशिश की जाएगी। यह उल्टा जमाना है। जिसकी तारीफकी जाती है, उसे संदेह से देखा जाता है। जिसका विरोध होता है, उसकी वैल्यू बढ़ जाती है। विरोध में बड़ा आकर्षण है। जिसका जितना विरोध, उसका उतना ही भाव। यही बिकता है। लोगों में जिज्ञासा होती है कि देखें कि क्या है?बदअमली नहीं तो और क्या है?

सत्संग

श्रेष्ठ में लगाएं अपनी सारी क्षमता

मानव के समक्ष दो ही रास्ते हैं। एक मानवता का और दूसरा दानवता का। ज्यों ही मनुष्य मानवता से हटता है, त्यों ही उसमें दानवता आ जाती है। दानवता आकर्षित जरूर करती है, लेकिन इसकी उम्र ज्यादा लंबी नहीं होती, जबकि मानवता मृत्यु के बाद भी आपको जिंदा रखती है। स्वामी विवेकानंद, महर्षि दयानंद सरस्वती, विनोबा भावे, महात्मा गांधी आदि महापुरुषों ने अपना पूरा जीवन मानवता के नाम कर दिया, जिससे उन्हें आज भी श्रद्धापूर्वक याद किया जाता है। शास्त्रों में मानवीयता को मनुष्य का आभूषण कहा गया है। मानवीयता किसी मनुष्य की सुंदर देह से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से आंकी जाती है। दूसरों को दु:ख-दर्द देने वाला व्यक्ति कभी खुश नहीं रह सकता, जबकि दूसरों की सहायता करने वाले व्यक्ति की मदद स्वयं ईश्वर करते हैं। कहते हैं कि स्वर्ग-नर्क कहीं और नहीं, बल्कि इसी धरती पर हैं। महाभारत-काल में पांडवों ने दुर्योधन से केवल पांच गांव मांगे थे, लेकिन दुर्योधन ने सुई की नोंक के बराबर जमीन भी देने से इनकार कर दिया। इसके परिणामस्वरूप युद्ध हुआ। मानवता जीती और दानवता हारी। दूसरों का हक मारकर दुर्योधन बनने में कतई समझदारी नहीं है। दरअसल, मानव धर्म ही धर्म का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। मानव धर्म यही सिखाता है कि सभी वर्गों को एक होकर अपनी सभी शक्तियों का प्रयोग अहिंसा, विकास और सत्य को उजागर करने में करना चाहिए। इस धरा पर जितने भी महान व्यक्ति हुए, उन्होंने निश्चित रूप से मानव धर्म का पालन किया। महावीर ने जीवों पर अत्याचार होते देखा, तो उनकी रूह कांप उठी और उन्होंने लोगों को समझाया कि जीव हत्या मत करो, क्योंकि उन्हें भी वैसी ही पीड़ा होती है, जैसी तुम्हें। कभी कसाई की दुकान पर जाकर जानवर को कटते देखना! यदि आपकी रूह नहीं जागी, तो समझ लेना कि आपके भीतर से मानवता निकल गई है। और जब मानवता खत्म हो जाती है, तो वह इंसान भी खत्म हो जाता है। हमारा-आपका अस्तित्व ही नष्ट न हो जाए, इसलिए मानवीय बने रहने में भलाई है। किसी का जीवन छीन लेना जिंदगी नहीं है, बल्कि किसी को जीवन देना जिंदगी है।

''जंतर मंतर'

जीरोहेज डॉट कॉम, जॉर्ज वॉशिंगटन के ब्लॉग में लिखते हैं,``भारतीयों पर यह हमला होने से चार हफ्ते पहले यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी ऑफ इंटरनेशनल डवलेपमेंट (यूएसएआईडी) ने ``कैटिलस्ट: कैशलेस पेमेंट पार्टनरशिप' की स्थापना किए जाने का ऐलान किया था।' गौरतलब है कि विपक्ष पहले से ही यह कहता रहा है कि नोटबंदी का फैसला वित्त मंत्री अरुण जेटली और रिजर्व बैंक का फैसला नहीं था। यह मोदी सरकार का फैसला था। यहां तक कि रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन के इस्तीफे को भी नोटबंदी से ही जोड़कर देखा

सतीश पेडणोकर

जो उम्मीदें बंधाई गई थीं वे पूरी नहीं हुई हैं। अच्छे परिणाम के साथ-साथ बुरे परिणाम भी जनता को झेलने पड़े हैं। ऐसे में सरकार के दावे और आर्थिक विशेषज्ञों और विरोधी दलों के दावों की परख करते हुए इतना जरूर कहा जा सकता है कि नोटबंदी वरदान के तौर पर अब तक अपना ठोस असर नहीं दिखा पाई है। मगर, अब भी इसके अंतिम परिणाम का इंतजार करने की जरूरत है, तभी यह पुख्ता तौर पर कहा जा सकेगा कि यह वरदान साबित हुई है कि अभिशाप? नवम्बर 2016 रात के 8 बजे जब ''मेरे प्यारे देशवासियों' के संबोधन के साथ नोटबंदी का ऐलान हुआ तो दुनिया चकित रह गई। यह सदी का सबसे बड़ा एलान था। भ्रष्टाचार और कालाधन पर चोट, आतंकी नेटवर्क को तबाह करने और देश के गरीबों के लिए उन्नति का द्वार खोलने का मकसद लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी सामने आए थे। 50 दिन में हालात सामान्य होने का दावा किया गया था।

ऐलान के एक साल पूरे होने को है। इस दौरान उपलब्धियां हैं तो चिंता के प्रमाण भी। ऐसे में सवाल ये है कि नोटबंदी क्या देश के लिए वरदान रही या फिर यह अभिशाप साबित हुई है? देश मोदी की राह पर चलते हुए जश्न मनाए या विपक्ष की राह पर चलते हुए मातम ?जर्मन अर्थशास्त्री नॉर्बटर हेरिंग ने यह दावा करते हुए कि भारत में नोटबंदी अमेरिका के इशारे पर हुई है, राजनीतिक भूचाल ला दिया है। जीरोहेज डॉट कॉम, जॉर्ज वॉशिंगटन के ब्लॉग में लिखते हैं,''भारतीयों पर यह हमला होने से चार हफ्ते पहले यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी ऑफइंटरनेशनल डवलेपमेंट (यूएसएआईडी) ने''कैटिलस्ट: कैशलेस पेमेंट पार्टनरशिप' की स्थापना किए जाने का ऐलान किया था।' गौरतलब है कि विपक्ष पहले से ही यह कहता रहा है कि नोटबंदी का फैसला वित्त मंत्री अरुण जेटली और रिजर्व बैंक का फैसला नहीं था।

यह मोदी सरकार का फैसला था। यहां तक कि रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन के इस्तीफे को भी नोटबंदी से ही जोड़कर देखा गया था। ऐसे में जर्मन पत्रकार के दावे ने मोदी सरकार पर हमला करने का विपक्ष को नए सिरे से मौका दे दिया है।''ईज ऑफबिजनेस डुइंग' के पैमाने पर विश्व बैंक ने भारत को दुनिया में सबसे ऊंची छलांग लगाने वाले देश के रूप में पहचाना है। भारत अब 100वें नम्बर पर है, जिसे नोटबंदी का सुफल माना जा रहा है। मगर, वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2017 कहती है कि भारत के लोग और दुखी हुए हैं। भारत की स्थिति पहले से खराब हुई है और अब यह एशियाई देशों में सबसे पीछे, यहां तक कि पाकिस्तान से भी पीछे है। पहली उपलब्धि पर मोदी सरकार इतरा रही है तो दूसरा तय नोटबंदी की नाकामयाबी दिखा रहा है, जिस पर विपक्ष तंज कस रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर घोषणा तो की थी कि पिछले ढाई साल में देश में सवा लाख करोड़ रुपये कालाधन का पता लगाया गया है, मगर नोटबंदी के कारण और नोटबंदी के बाद कितना कालाधन सामने आया है; इस पर उनकी चुप्पी बनी हुई है। वहीं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट और पुराने नोटों के वापस लौटने के आंकड़े को सामने रखते हुए मोदी सरकार से पूछा जा रहा है कि जब 99 फीसद पुराने नोट वापस आ गए, तो इनमें से कालाधन कितना था? कालाधन भी कैसे सफेद हो गया?नोटबंदी के बाद की तिमाही में जीडीपी में भारी गिरावट ने भी नोटबंदी के फैसले पर सवाल उठाए हैं। वार्षिक विकास दर 7.1 फीसद तक पहुंच गई। चीन से स्पर्धा कर रहा भारत आर्थिक विकास दर में उससे पिछड़ गया। जिस तरह के संकेत हैं। उनसे अंदाजा लगाया जा रहा है कि नोटबंदी के परिणामस्वरूप 2 फीसद जीडीपी में गिरावट की भविष्यवाणी जो मनमोहन सिंह ने की थी, वह सही साबित होने जा रही है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने नोटबंदी से जीडीपी को करीब 1.5 फीसद नुकसान होने का दावा किया है जिसका मतलब है कि देश को 2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं, माना जा रहा है कि जीएसटी के लागू होने के बाद कारोबार को धक्का लगा है जिसका असर भी अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है और यह आने वाली तिमाही में जीडीपी की दर में गिरावट के रूप में दिखेगा।नोटबंदी से आतंकवाद और नक्सलवाद की कमर टूट जाने का दावा किया गया। वातावरण यह जरूर कहता है कि इसमें कमी आई है। पत्थरबाजी रु की है, हुर्रियत नेता मनी लॉण्ड्रिंग केसों में नजरबंद हैं या फिर हिरासत में हैं।

नक्सलवादी गतिविधियां थमी हुई हैं। फिर भी इन घटनाओं पर काबू पा लेने का दावा सही साबित नहीं हुआ है। नकली नोटों पर लगाम लगने के दावे को खुद तय झुठला रहे हैं। 2016-17 में जो जाली नोट पकड़े गए हैं, वह पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2015-16 के मुकाबले महज 20.4 फीसद ज्यादा हैं। अगर वाकई नोटबंदी के कारण नकली नोटों पर लगाम लगी होती, तो नकली नोट ज्यादा पकड़ में आए होते। रोजगार के मामले पर मोदी सरकार बुरी तरह से सवालों के घेरे में है। रोजगार के मौके बढ़ना तो दूर इसमें कमी ही आई है। केंद्र सरकार ये आंकड़ा नहीं रख पा रही है कि नोटबंदी के बाद से कितने लोगों को रोजगार मिले हैं। इसके बजाए सरकार कह रही है कि उसने नौजवानों को ऋण उपलब्ध कराकर अपने पैरों पर खड़े होने का मौका दिया है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब देश में कारोबारी माहौल ठप है, जीडीपी गिर रहा है तो ऋण का इस्तेमाल नौजवान कैसे कर पाए होंगे? निश्चित रूप से यह ऋण भी खुद नौजवानों और सरकार पर भारी बोझ साबित होने वाला है। यानी मामला उल्टा पड़ने जा रहा है।बीजेपी से जुड़े मजदूर संगठन बीएमएस के अध्यक्ष साजी नारायणन ने माना है कि 25 फीसद आर्थिक गतिविधियां नोटबंदी की वजह से बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। यह छोटी बात नहीं है। जब आर्थिक जगत का चौथाई हिस्सा प्रभावित होगा, तो देश की तरक्की कैसे हो सकती है? सबसे अहम बात ये है कि असंगठित सेक्टर की आर्थिक गतिविधियों को मापने का कोई पैमाना नहीं है जिसके बारे में बताया जा रहा है कि नोटबंदी से वह सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यही वजह है कि आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आने वाले समय में जीडीपी में और भी अधिक गिरावट के आंकड़े आ सकते हैं। लेकिन सरकार निराश नहीं है। सरकार दावा कर रही है कि नोटबंदी के बाद से 2 लाख से ज्यादा फर्जी कंपनियों को पकड़ा गया है। करदाताओं की संख्या में भी 55 लाख लोग जुड़े हैं। देश कैशलेस होने जा रहा है। नकदी का प्रचलन कम हुआ है। 8 फीसद कम नकदी से देश ने काम चलाना सीख लिया है। देश की बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता आई है। निश्चित तौर पर इससे सरकार को तय राजस्व में बढ़ोतरी होगी। मगर, आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि आमदनी का यह स्रोत अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान के सामने नगण्य है। यह सच है कि नोटबंदी को लेकर जो दावे किए गए थे, जो उम्मीदें बंधाई गई थीं, वह पूरी नहीं हुई है। नोटबंदी के अच्छे परिणाम के साथ-साथ बुरे परिणाम भी जनता को झेलने पड़े हैं-यह बड़ी सच्चाई है। ऐसे में सरकार के दावे और आर्थिक विशेषज्ञों और विरोधी दलों के दावों की परख करते हुए इतना जरूर कहा जा सकता है कि नोटबंदी वरदान के तौर पर अब तक अपना ठोस असर नहीं दिखा पाई है। मगर, अब भी इसके अंतिम परिणाम का इंतजार करने की जरूरत है। तभी पुख्ता तौर पर कहा जा सकेगा कि यह वरदान साबित हुई है।

चलते चलते

समझें हम प्रकृति की सीख

प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए धरती उसके घर का आंगन, आसमान छत, सूर्य-चांद-तारे दीपक, सागर-नदी पानी के मटके और पेड़-पौधे आहार के साधन हैं। इतना ही नहीं, मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। न्यूटन जैसे महान विज्ञानियों को गुरुत्वाकर्षण समेत कई पाठ प्रकृति ने सिखाए हैं। कवियों ने प्रकृति के सान्निध्य में रहकर एक से बढ़कर एक कविताएं लिखीं। इसी तरह आम आदमी ने प्रकृति के तमाम गुणों को समझकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव किए। दरअसल प्रकृति हमें कई महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। जैसे, पतझड़ का मतलब पेड़ का अंत नहीं है। इस पाठ को जिसने भी अपने जीवन में आत्मसात किया, उसे नाकामी से कभी डर नहीं लगा। ऐसे व्यक्ति असफलता पर विचलित हुए बगैर नए सिरे से सफलता पाने की कोशिश करते हैं और आखिरकार सफल होते हैं। इसी तरह फलों से लदे, मगर नीचे की ओर झुके पेड़ हमें सफलता और प्रसिद्धि मिलने या संपन्न् होने के बावजूद विनम्र और शालीन बने रहना सिखाते हैं। उपन्यासकार प्रेमचंद के मुताबिक साहित्य में आदर्शवाद का वही स्थान है, जो जीवन में प्रकृति का है। प्रकृति में हर किसी का अपना महत्व है। एक छोटा-सा कीड़ा भी प्रकृति के लिए उपयोगी है। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के समान बताया गया है। इसी कारण हमारे यहां वृक्ष पूजने की सनातन परंपरा रही है। पुराणों में कहा गया है कि जो व्यक्ति नए वृक्ष लगाता है, वह स्वर्ग में उतने ही वर्षों तक फलता-फूलता है, जितने वर्षों तक उसके लगाए वृक्ष फलते-फूलते हैं। प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। जैसे, नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती, पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते, फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती, लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है, तब उसे गुस्सा आता है, जिसे वह समय-समय पर सूखा, बाढ़, सैलाब, तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है।

न्यूटन जैसे महान विज्ञानियों को गुरुत्वाकर्षण समेत कई पाठ प्रकृति ने सिखाए हैं। कवियों ने प्रकृति के सान्निध्य में रहकर एक से बढ़कर एक कविताएं लिखीं। इसी तरह आम आदमी ने प्रकृति के तमाम गुणों को समझकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव किए। दरअसल प्रकृति हमें कई महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। जैसे, पतझड़ का मतलब पेड़ का अंत नहीं है। इस पाठ को जिसने भी अपने जीवन में आत्मसात किया।

मुद्दा

एक उप चुनाव जीत

सब से पहले एक छोटा-सा किस्सा, जो कम लोग जानते हैं। समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया 1963 में फरूखाबाद से एक उपचुनाव जीत कर संसद में पहुंचे थे। 1967 में उनकी मृत्यु हुई। इस छोटी-सी अवधि में डॉक्टर साहब ने संसद को हिला कर रख दिया था। लोक सभा में जो भाषण दिए और जैसी बहसें शुरू कीं, वे बेजोड़ हैं। उतनी जीवंत लोक सभा न इसके पहले दिखाई पड़ी थी, और न उसके बाद। लोक सभा में आने के लगभग चार वर्षो तक वे सांसद रहे। 12 अक्टूबर, 1967 को उनकी मृत्यु हो गई। फरूखाबाद से उनके चुनाव को अदालत में चुनौती दी गई। अदालत का फैसला उनकी मृत्यु के बाद आया। फैसला था कि लोहिया का चुनाव वैध नहीं था। वह रद्द हो गया था।अगर उस उपचुनाव में लोहिया हार जाते तो निश्चय ही संसद और देश का बहुत नुकसान होता। लोहिया हार जाते तो कोई और उम्मीदवार जीत जाता। वह कौन होता, इसकी सूचना मेरे पास नहीं है। लेकिन जो भी आदमी जीतता, उसका कद डॉ. लोहिया से बहुत छोटा होता। फिर भी जीत जीत है, और हार हार है। उस पराजित उम्मीदवार को न्याय मिलने में चार साल से ज्यादा हो गए। इस अवधि में डॉक्टर साहब फरूखाबाद के वैध प्रतिनिधि नहीं थे। इस घटना से समझ सकते हैं कि अदालत का फैसला देर से आने पर कितना अनर्थ हो सकता था। अगर इस उपचुनाव से संबंधित मुकदमे का नतीजा ज्यादा से ज्यादा तीन-चार महीने में आ जाता, तो इस अनर्थ को रोका जा सकता था।इसी हफ्ते सर्वोच्च न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि राजनेताओं से संबंधित मुकदमों के लिए विशेष अदालतें होनी चाहिए ताकि उनका निपटारा जल्द से जल्द हो सके। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। प्रस्तावित विशेष अदालतें काम कर रही होतीं तो अनिश्चय की वर्तमान स्थिति न होती। किसी सांसद ने हत्या की है, तो जब तक उसे सजा नहीं मिल जाती, उसे निदरेष ही माना जाएगा और तब तक वह चुनाव लड़ सकता है, मंत्री बन सकता है। पहले से ही हमारे पास कई विशेष अदालतें हैं, जैसे फास्ट ट्रैक अदालतें, सीबीआई की अदालतें, आतंकवाद से संबंधित अपराधों पर सुनवाई करने वाली अदालतें। वस्तुत: 1979 में स्पेशल कोर्ट्स एक्ट पारित किया गया था, जिसमें सरकार को अधिकार है कि वह किसी खास उद्देश्य के लिए विशेष अदालत या अदालतों का गठन कर सकती है। लेकिन विशेष अदालतों के गठन से विभिन्न न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है यानी विशेष अदालतों की स्थापना से साधारण अदालतों को कुछ खास राहत नहीं मिल सकी है। असल में, जहां भी स्पेशल या विशेष का दर्जा है, वह साधारण का अपमान है। आम नागरिक ने हत्या की है, तो उसका मुकदमा आठ-दस सालों तक झूलता रहे और किसी सांसद ने की है, तो उसके मुकदमे का निपटारा दो-तीन महीने में, यह विषमता और अन्याय नहीं है तो क्या है? जाहिर है, सरकार विशेष अदालतों के लिए सरकार नये न्यायाधीशों की नियुक्ति तो करेगी नहीं, वह वर्तमान में सेवारत जजों से ही काम चलाएगी। इससे सामान्य अदालतों में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या और कम हो जाएगी जिससे उन पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। मुकदमों के निपटान में विलंब का कारण क्या है? इसका सबसे बड़ा कारण है कि सरकार पर्याप्त संख्या में जजों की नियुक्ति ही नहीं करना चाहती। सर्वोच्च न्यायालय में छह पद रिक्त हैं। कुल 31 न्यायाधीशों के लिए स्वीकृति मिली हुई है, लेकिन न्यायाधीश सिर्फ25 हैं। देश के उच्च न्यायालयों में कुल 397 जजों के पद रिक्त हैं। अत: न्यायिक प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए सबसे पहला काम तो यही होना चाहिए कि जिस अदालत के लिए जितने पदों की स्वीकृति मिली हुई है, उन सभी पदों को तत्काल भरा जाना चाहिए। इसके बाद अन्य कदम उठाए जाएंगे, तभी कुछ फायदा हो सकेगा। समय पर न्याय देने के लिए विशेष अदालतों की कोई जरूरत नहीं है, सामान्य न्याय व्यवस्था को ही कुशलतर बनाया जाना चाहिए।

आतंकवादी हमले

आभा स्वामी

चीन ने पठानकोट आतंकवादी हमले के मास्टर माइंड मसूद अजहर को नियंतण्र आतंकवादी घोषित करने के प्रस्ताव को चौथी बार खारिज करके इस आशंका को और ज्यादा सघन कर दिया है कि नियंतण्र आतंकवाद का जड़ से सफाया करना नामुमकिन है। यह मान लेने में अब कोई हर्ज नहीं है कि नई विश्व व्यवस्था में चीन अमेरिका की जगह लेने के लिएजरूरत से ज्यादा उतावला है और नियंतण्र राजनीति में अपने को अग्रणी भूमिका में देखना चाहता है।अंतरराष्ट्रीय राजनीति के इस यथार्थवादी सिद्धांत पर लगभग मतैक्य है कि राष्ट्रीय हित ही वह प्रमुख तत्व है, जो दो स्वतंत्र और संप्रभु देशों के पारस्परिक रिश्तों को निर्धारित करते हैं। राष्ट्रीय हितों की दृष्टि से दक्षिण एशिया में पाकिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति बीजिंग के ज्यादा अनुकूल है। चीन इस तय को समझता है कि भारत उसका सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी देशहै और इस क्षेत्र का नेतृत्व करने की उसकी दावेदारी की राह में नई दिल्ली अवरोधक है। इसलिए चीन पाकिस्तान को अपने गुट में शामिल करके आतंकवाद और सीमा विवाद जैसे मसलों पर भारत को उलझाये रखना चाहता है।चीन भारत के बढ़ते प्रभाव से और खास तौर पर नई दिल्ली-वाशिंगटन की बढ़ती दोस्ती से संशकित रहता है। इसलिए आतंकवाद के किसी भी चेहरे का विरोध करने का दावा करने वाला चीन मसूद अजहर के मसले पर अलग रुख अपनाता आया है। चीन समझता है कि भारत और पाक के बीच स्थायी शांति का मतलब नई दिल्ली का मजबूत होकर उभरना। और नई दिल्ली के मजबूत होने का सीधा मतलब दक्षिण एशिया की राजनीति में चीन को प्रभावहीन करना है। अमेरिका भी इसी कूटनीति के तहत एशिया में भारत की भूमिका को बढ़ाने के लिए तत्पर है। दरअसल, चीन और अमेरिका दोनों अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के अनुकूल पाकिस्तान और भारत का इस्तेमाल करना चाहते हैं। भारत अमेरिका के इस इरादे को अच्छी तरह समझता है। आधी आबादी को गरिमा से जीने का हक देने के लिए बने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सरीखे नारे नाकाफी हैं, यह झारखंड की स्कूली बच्ची की मौत से जाहिर है। भ्रूण हत्या या दहेज या यौन उत्पीड़न अथवा वेश्यावृत्ति के निषेध विषयक सुधारवादी कानून भी जमीनी तौर पर अपने यहां आज भी एक किताबी कवायद ही बने हुए हैं। अगर हमारे राज-समाज में पर्याप्त आदर्शवादिता होती तो शायद सुधारवादी कानूनों का फायदा उठाकर हमारे शिक्षा संस्थान और महिला आरक्षण से लैस पंचायतें महिलाओं के महत्व को एक प्रखर राष्ट्रीय सच्चाई की शक्ल दे सकते थे। लेकिन जहां जान ही नहीं, वहां प्रखरता कैसी? हमारी शिक्षा और पंचायती राज इकाइयों में (आरक्षण के बावजूद) जान नहीं , यह बात आपको एक उलटबांसी लग सकती है। वाराणसी विवि की हाल की घटनाएं गवाह हैं कि उच्चशिक्षा परिसरों तक किसी तरह जा पहुंची बच्चियों का भविष्य भी पुरुष पोषित फैकल्टी की मेहरबानी से लगातार लोकतांत्रिक संविधान तथा कानून पर आज भी कितना भारी साबित होता है। टीवी फुटेज गवाह है कि खुद त्रस्त महिलाएं जब न्याय या राशन खोजती हैं तो उनको इन तथाकथित सशक्तीकृत स्कूलों, पंचायतों, महिला थानों या सरकारी राशन की दुकान में आशा की किरण या संवेदनशीलता नहीं दिखाई देती। उनको अपनी और अपनी बच्चियों की जान और आबरू बचाने को नेताओं के सरेआम पैर पकड़कर न्याय या राशन मांगना कहीं अधिक आश्वस्तिकारक लगता है। जिनको लेकर मदर टेरेसा ने एक बार कहा भी था कि अगर परिवार ही बच्चियों को नहीं बचाना चाहते, तो उन्हें कोई नहीं बचा सकता। क्या समाज को अपनी बेटियों की बाघों जितनी फिक्र भी नहीं होनी चाहिए?

लखनऊ के आनंदेश्वर बने एचएफआई के महासचिव

लखनऊ। राजधानी के आनंदेश्वर पाण्डेय हैण्डबाल फेडरेशन ऑफ इण्डिया (एचएफआई) के नए महासचिव चुने गए। वहीं तमिलनाडु के डा. एम. रामा सुब्रामनी अध्यक्ष बने। गोमतीनगर स्थित बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में हुए कार्यकारिणी के चुनाव में देश भर की राज्य हैण्डबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए। इस चुनाव की खासियत यह रही कि सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए।

आनंदेश्वर पाण्डेय के पास इसके पहले एचएफआई का कार्यभार था। पिछले समय से एचएफआई में खींचतान चल रही थी, पर रविवार हो हुए इस चुनाव में सभी आनंदेश्वर पाण्डेय के पक्ष में खड़े दिखाई दिए। कार्यकारिणी में पहलवान पद्मश्री सतपाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। झारखण्ड के डा. प्रदीप बालामुची को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया।

गांव में हैण्डबाल का विकास होगा एचएफआई की नई कार्यकारिणी ने बताया कि उसका उद्देश्य देश में हैण्डबाल का विकास करना है। इसके लिए तमाम योजनाए हैं। जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी सिलसिले में 20 नवम्बर से हैदराबाद में हैण्डबाल की एशियन क्लब लीग होने जा रही है। इसका सीधा प्रसारण विभिन्न चैनलों पर किया जाएगा। इसमें एशिया के एक से एक धुरंधर खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे।

इसके अलावा एचएफआई ने तय किया है कि हैण्डबाल को गांव व कस्बों में विकसित किया जाए। इसके लिए जिला एसोसिएशन गांवों में हैण्डबाल की ट्रेनिंग व प्रतियोगिताओं की व्यवस्था करेगी। गांवों में प्रतिभाओं को खोजा जाएगा। इन्हीं खिलाड़ियों में किसी को कोच बनाया जाएगा। सप्ताह में दो बार जिला स्तर के कोच जाकर उन्हें इस खेल की बारीकियां सिखाएंगे।

अकादमी खोलने की भी योजना एचएफआई राज्य में कम से कम एक हैण्डबाल अकादमी खोलने की भी योजना पर विचार कर रही है। कोशिश होगी कि यह राज्यों की राजधानी में खोली जाए। इसके लिए राज्य सरकारों के साथ निजी क्षेत्र के लोगों से भी बात की जाएगी। यही नहीं भारतीय खेल प्राधिकरण से भी इस योजना पर वार्ता होगी।

चुनी गई कार्यकारिणी :

अध्यक्ष : डा. रामा सुब्रामनी (तमिलनाडु)। वरिष्ठ उपाध्यक्ष : डा. प्रदीप बालामुची (झारखण्ड)। उपाध्यक्ष : एएस सिद्धू (साउथ जोन), सुरेश पिल्लई (वेस्ट जोन), पद्मश्री सतपाल (नॉर्थ जोन), अमल नारायण पटवारी (ईस्ट जोन), रीना सरीन (महिला)।

कोषाध्यक्ष : प्रीत पाल सालूजा (मध्य प्रदेश)।

राज्य क्रास कंट्री में लखनऊ की कविता व पुष्पा को स्वर्ण

लखनऊ। कुशीनगर में रविवार को हुई राज्य क्रास कंट्री चैंपियनशिप में लखनऊ हॉस्टल की एथलीटों ने बालिका अण्डर-20 में अपना दबदबा साबित किया। पहले पांच स्थानों पर लखनऊ की एथलीट रहीं। जबकि कविता ने खिताब जीता। वहीं अण्डर-16 बालिका में लखनऊ की पुष्पा ने सबको पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। वाराणसी की टीम ने पुरुष चैंपियनशिप जीती।

अण्डर-20 की छह किलोमीटर लम्बी दौड़ में लखनऊ हॉस्टल की कविता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 20 मिनट 41.03 सेकेंड का समय निकाला। वहीं खुशबू गुप्ता दूसरे और नेहा तीसरे स्थान पर रहीं। ये सभी एथलीट लखनऊ की हैं। वहीं अण्डर-16 में लखनऊ की पुष्पा ने दो किलोमीटर की दौड़ में 6 मिनट 45.77 सेकेंड का समय निकाल कर पहला स्थान हासिल किया। इलाहाबाद की शिवानी चौरसिया दूसरे और कुशीनगर की अनीता पटेल तीसरे स्थान पर रहीं। अंडर-18 की 4 किलोमीटर की दौड़ में लखनऊ की काजल शर्मा को दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। इस दौड़ का स्वर्ण पदक वाराणसी की अमृता पटेल ने जीता। तीसरे स्थान पर वाराणसी की ही प्रेमलता रहीं।

मेजबान कुशीनगर के राजकिशोर रावत ने पुरुषों में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए 10 किलोमीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। वहीं महिलाओं की 10 किलोमीटर की दौड़ में महाराजगंज की सुमन सिंह ने बाजी मारी। बालक अण्डर-20 में इलाहाबाद के धर्मेंद्र यादव पहले स्थान पर रहे। कुशीनगर के दिलीप कुमार पटेल को दूसरा स्थान मिला। पुरस्कार वितरण स्थानीय सांसद राजेश पाण्डेय ने किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव पीके श्रीवास्तव व परिवहन अधिकारी एके त्रिपाठी मौजूद रहे।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कार में जिंदा जले 6 लोग

कन्नौज। सौरिख में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लगने से उसमें सवार 6 लोगों की जलकर मौत हो गई। कार में डेढ़ साल का बच्चा भी अपनी मां के साथ मौजूद था। मरने वाले सभी लोग बिहार के सीवान के रहने वाले हैं।

रात करीब 2:30 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सीवान से दिल्ली जा रही एक कार अनियंत्रित होकर सौरिख के पास डिवाइडर से टकरा गई। इससे कार में आग लग गई और कार में सवार सभी 6 लोगों की जलकर मौत हो गई। दुर्घटना के दौरान कार की खिड़की खुल जाने से करीब डेढ़ साल के एक बच्चे और एक पुरुष का शव बाहर निकल आया था। शव के पास ही एक मोबाइल फोन सड़क पर पड़ा मिला। जिसमे मिले नम्बरो पर कॉल कर के पुलिस ने घटना की सूचना मृतको के परिजनों को दी। बताया गया कि कार में छह लोग सवार थे। सभी लोग सीवान से दिल्ली जा रहे थे। हालांकि जानकारी मिलने के बाद मृतको के परिजन भी घटना स्थल पर पहुंचने के लिए निकल दिए है। फिलहाल पुलिस ने सभी शव पोस्टमार्टम के लिए कन्नौज जिला अस्पताल भेजे हैं।

हादसे में मृतकों की पहचान की जा चुकी है। अभय और विनय पुत्रगण त्रिलोकीनाथ निवासी महेन्द्रनाथ मन्दिर निषाद सीवान, बिहार की ही शिनाख्त हो सकी है। ये दोनों युवक किराए पर कार लेकर सीवान से दिल्ली जा रहे थे। छह मृतकों में कार चालक भी शामिल है।

हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने भाजपा छोड़ी, शिवसेना से लड़ेंगे मेयर चुनाव

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद नेतृत्व के दबाव में प्रतिष्ठापरक अयोध्या नगर निगम सीट पर मेयर पद के लिए ऋषिकेश उपाध्याय 'पिन्टू' को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पार्टी में बगावत शुरू हो गई है। भाजपा से जुड़े हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने शिवसेना से मेयर का चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। राजू दास भी भाजपा से अयोध्या सीट से मेयर पद के लिए टिकट के दावेदार थे। भाजपा की ओर से बनाए गए 12 दावेदारों के पैनल में इनका भी नाम शामिल था। कई चरण में मंथन के बाद भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने इस पैनल से अंतिम रूप से दो नाम चयनित किए। इसमें ऋषिकेश उपाध्याय और चंद्र प्रकाश त्रिपाठी शामिल रहे।

शनिवार की शाम लखनऊ में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय व भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल की मौजूदगी में प्रदेश की पांच सीटों के लिए मेयर प्रत्याशी के नामों पर विचार किया गया। अंतिम समय में संघ और विहिप नेतृत्व की ओर से अयोध्या सीट के लिए ऋषिकेश उपाध्याय को टिकट दिए जाने की अपेक्षा की गई। सूत्रों के अनुसार संघ परिवार के दबाव में ऋषिकेश का नाम फाइनल कर दिया गया।

इस फैसले से नाराज मेयर टिकट के दावेदार पुजारी राजू दास ने रविवार को भाजपा से त्यागपत्र दे दिया। साथ ही महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी दल शिवसेना को ज्वाइन करते हुए अयोध्या से मेयर का चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी।

लेखक आजम बेग ने तीन तलाक को बताया हराम

आगरा। तीन तलाक हराम है। कुरान से यह साबित होता है। यह कहना है लेखक आजम बेग कादरी का। तीन किताबें लिख चुके डॉ. आजम बेग कादरी ने रविवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने तीन तलाक और ताजियादारी पर विचार रखते हुए कहा कि तीन तलाक हराम है जो कि कुरान से साबित है। लिहाजा इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट का फ़ैसला सराहनीय और दुरस्त है। इस संबंध में उन्होंने फतवा जारी करने वाले मौलानाओं की भी जम के आलोचना की।

प्रत्येक परिवार के साथ गोवंश को जोड़ने की जरूरत : मुख्यमंत्री

लखनऊ। एक-एक परिवार के साथ एक-एक गोवंश को जोड़ने की जरूरत है। गोवंश को जैविक खेती के साथ जोड़ सकते हैं। सरकार प्रदेश भर में गोशाला खोलेगी, लेकिन उसके संचालन का दायित्व स्थानीय कमेटियों को उठाना पड़ेगा। ये बातें मुख्ममंत्री योगी आदित्य नाथ ने निरालानगर में रविवार को विश्व हिन्दू परिषद गो रक्षा विभाग की ओर से पहले अखिल भारतीय गोरक्षा आंदोलन समिति अधिवेशन में कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा गो पालन पवित्र कार्य है। आप सब इसमें लगे हैं। यह प्रफुल्लित करने वाला छण है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में गो माता की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए गाय की महत्ता को स्वीकार किया गया है। उसमें सभी देवी-देवताओं का वास माना गया लेकिन कालांतर में स्थितियां बदलीं। जो गो माता हमारे लिए उपयोगी है, उससे हम विस्मृत होते चले गए। लोग जिस गाय का दूध पीते हैं, उसी को सड़क पर छोड़ देते हैं। गाय सड़कों का कचरा खाती है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ विकास की प्रक्रिया को नहीं जोड़ पाएंगे तो हम पिछड़ जाएंगे। गो के उत्पादों का जितना प्रचार प्रसार होना चाहिए था नहीं हुआ। हम सबकी समस्या को हरने वाली गाय को हम समस्या समझने लगे। अब संकल्प लेना होगा संरक्षण और संवर्धन के कार्यक्रमों का।

गाय, गंगा और तुलसी को बचाना होगा: श्री योगी ने कहा कि पहली सरकार हमारी बनी जिसने बूचड़खानों को प्रतिबंधित किया। जो गो मांस बेचेगा उसका स्थान जेल में होगा। हमारी सरकार ने एन्टी भूमाफिया टास्क फोर्स बनाकर गोचर भूमि से अवैध कब्जे हटवाए। 35 हजार हेक्टेयर भूमि खाली करवाई गई। मेरा आह्वान है कि प्रत्येक व्यक्ति एक गोवंश के पालन की जिम्मेदारी उठाये। गोशाला हम बनवाएंगे लेकिन उनके भोजन और पालन की जिम्मेदारी आम लोग लें। यह प्रयास किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को बचाना है तो अपने प्रतीकों गाय, गंगा और तुलसी को बचाना होगा। इस विरासत की रक्षा के लिए एक सार्थक प्रयास करना होगा। आप इस करेंगे तो आपके साथ जनता जुड़ेगी। आपकी ही ताकत बढ़ेगी। गोरक्षा को गो संवर्धन और गो संरक्षण से जोड़ें। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री चम्पत राय, राष्ट्रीय मंत्री खेमचंद्र शर्मा, राजेन्द्र सिंघल और संतराम गोयल आदि मंच पर मौजूद रहे।

बिहार

बिहार बोर्ड: इंटर-मैट्रिक की प्रायोगिक परीक्षा में होंगे बड़े बदलाव

पटना। बिहार बोर्ड ने वर्ष 2018 में कदाचार मुक्त प्रायोगिक परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। बोर्ड की ओर से प्रश्नों के पैटर्न से लेकर प्रश्नपत्रों व उत्तरपुस्तिकाओं का डिजायन भी बदला जा रहा है। नया बदलाव इंटर व मैट्रिक के प्रायोगिक विषयों की परीक्षाओं के प्रारूप से जुड़ा है। मैट्रिक में विज्ञान विषय में फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी के अलग-अलग एक्सटर्नल होंगे। इनकी प्रायोगिक परीक्षा अलग-अलग ली जाएगी। अलग-अलग लैब में परीक्षा लेने की तैयारी चल रही है। अब तक परीक्षा केंद्रों पर प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर खानापूरी होती थी। मनमाना अंक बिठा दिया जाता था। बोर्ड ने इस बार मैट्रिक की प्रायोगिक परीक्षा के दौरान विशेष सख्ती बरतने की तैयारी की है।

इंटर के तीन संकायों में भी बदलाव : इंटर साइंस, कॉमर्स और आर्ट ?स संकाय की प्रायोगिक परीक्षा के स्वरूप में भी बदलाव किया जा रहा हैं। छात्रों को चार तरह के प्रारूप (प्रयोग, कियाकलाप, सतत कार्य और मौखिक परीक्षा) से गुजरना होगा। सबके लिये अलग-अलग अंक निर्धारित किया जा सकता है।

सात अक्टूबर को विशेषज्ञों की थी बैठक : प्रायोगिक परीक्षा के पैटर्न में बदलाव को लेकर बिहार बोर्ड की ओर से सात अक्टूबर को विषय विशेषज्ञों की बैठक बुलायी गयी थी। विशेषज्ञों की टीम ने वास्तविक मूल्यांकन को लागू करने की सलाह दी है। बता दें कि 2009-11 सत्र से एससीईआरटी द्वारा प्रायोगिक परीक्षा का सिलेबस बनाया गया था। सिलेबस के अनुसार हर विषय के लिए अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इस निर्धारण के अनुसार प्रायोगिक परीक्षा नहीं ली जा रही थी।

छह को अहम बैठक : समिति की ओर से प्रायोगिक परीक्षा के स्वरूप पर अंतिम मुहर के लिये छह नवंबर को बोर्ड की बैठक बुलाई गई है। बैठक में यह निर्णय हो सकता है कि 2009 में बने सिलेबस के अनुसार प्रायोगिक परीक्षा ली जाए।

इंटर प्रायोगिक परीक्षा का हो सकता है यह प्रारूप

बायोलॉजी: 30 अंक (दो प्रयोग - 8 अंक, स्लाइड तैयारी - 5 अंक, प्रयोग दिखाना: सात अंक, प्रोजेक्ट के साथ मौखिक प्रश्नोत्तर - पांच अंक, प्रयोग के साथ मौखक प्रश्नोत्तर-पांच अंक)

फिजिक्स : 30 अंक (दो प्रयोग-16 अंक, एक्सपेरिमेंट-6 अंक, प्रोजेक्ट वर्क: 3 अंक, प्रोजेक्ट व एक्सपेरिमेंट पर मौखिक प्रश्नोत्तर: 5 अंक

प्रायोगिक परीक्षा को लेकर होम सेंटर को पहले ही समाप्त कर दिया गया है। परीक्षा लेने के तरीके में क्या बदलाव होगा, इसको लेकर अभी विचार चल रहा है।

पटना के मस्ताना घाट के सामने गंगा में डूबकर 6 की मौत

पटना। बिहार में पटना के फतुहा में मस्ताना घाट के सामने गंगा में डूबकर 6 की मौत हो गई। इस हादसे में 2 से 3 और लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। हादसा गंगा के उस पार वैशाली के राघोपुर में हुई।

हादसे के शिकार सभी लोग फतुहा के ही मिर्जापुर नोहटा इलाके के रहने वाले हैं। मृतकों में एक महिला और 5 बच्चे शामिल हैं। रंजू देवी (35) पति शंकर प्रसाद और उसकी सात साल की बेटी छोटी डूब गई। वहीं रजनी कुमारी (10) पिता राधेश्याम प्रसाद, आरती (14) पिता अरुण प्रसाद, गौतम(11) पिता बिहारी प्रसाद, साहिल (10) पिता भोला प्रसाद की भी गंगा में डूबने से मौत हुई है। हादसा फतुहा में मस्ताना घाट के सामने हुआ।

शौचालय घोटाला: पूरे बिहार में जांच हो तो अरबों का घोटाला हो जाएगा-लालू

पटना। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद ने कहा कि बिहार की स्थिति बदतर हो गई है। राज्य में घोटाला दर घोटाला सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बोलते थे कि हमारी सरकार में आज तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। उंगली पर गिनती की जाए तो दर्जनों भ्रष्टाचार के मामले आ गए। लालू शनिवार को दस सकरुलर रोड स्थित आवास पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शौचालय घोटाला सृजन घोटाले से भी बड़ा घोटाला हो गया।

अभी सिर्फ एक पटना जिला में 14-15 करोड़ की पहचान हुई है, पूरे बिहार में जांच कर लेखा-जोखा किया जाए तो अरबों का घोटाला हो जाएगा। किस ऑथोरिटी के आधार पर गैर सरकारी संगठनों को पैसा ट्रांसफर किया गया। सृजन, पेंशन, छात्रवृत्ति, टॉपर व शिक्षा घोटाला सामने आ चुका है। आरोप लगाया कि आइएएस से नेता बने व्यक्ति ने सारे पैसों को ठिकाने लगाया। प्रसाद ने आरोप लगाया कि सभी जांच एजेंसियां को खिलौना बना दिया गया है। हमारा मुकाबला सीधे बीजेपी-आरएसएस से है। हम नियोजित शिक्षकों के साथ हैं।

लालू का हमला : कागजों में ही हजारों शौचालय खा गई नीतीश सरकार

आठ नवंबर को पूरे बिहार में नोटबंदी व जीएसटी के खिलाफ काला दिवस सभी पार्टी अपने-अपने ढंग से मनाएगी। लालू खुद भी उस दिन सड़क पर उतरेंगे। उन्होंने यूपी के वाणिज्य कर अधिकारी रह चुके शंकर चरण त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किया। प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व मंत्री आलोक मेहता भी उपस्थत थे।

पहले लालू जी ने छेड़ा है, तय है हम छोड़ेंगे नहीं : संजय

जदयू के मुख्य प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि शुक्रवार को जो कुछ भी हुआ, उसकी शुरुआत लालू प्रसाद ने ही भागलपुर से कर दी थी। कहा कि बोये पेड़ खजूर का तो आम कहां से होय। लालू प्रसाद ने जब नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह को गाली दी तो हम क्या चूड़ी पहन के बैठे हैं। कहा कि हम उनके ईंट का जवाब पत्थर से देंगे। जदयू का हर कार्यकर्ता अपने नेता नीतीश कुमार के अपमान का बदला लेगा। लालू जी ने भागलपुर की सभा में मुख्यमंत्री के भागलपुर प्रवास पर सवाल उठाया। सीएम की जन्मस्थली बख्तियारपुर की सार्वजनिक सभा में उनके डीएनए पर सवाल खड़े किए।

बिहार में जल्द शुरू होगी टेली मेडिसीन सेवा, विशेषज्ञ डॉक्टरों से मिलेगी सलाह

पटना। बिहार में टेली मेडिसीन सेवा जल्द शुरू होगी, ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सदर अस्पताल में भर्ती मरीजों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह मिल सके। मेडिकल कॉलेज अस्पताल से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सदर अस्पतालों को जोड़ा जाएगा।

मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में बैठे विशेषज्ञ डॉक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सदर अस्पताल के डॉक्टरों को मरीज के इलाज के लिए सलाह देंगे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व सदर अस्पताल में भर्ती मरीजों के एक्सरे,जांच रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों के पास ऑनलाइन भेजे जाएंगे। मरीजों के इलाज से संबंधित जो भी जानकारी व सलाह होगी वह ऑनलाइन दी जाएगी और उसी हिसाब से इलाज होगा। टेली मेडिसीस सेवा नेशनल नेटवर्क से भी जोड़ा जाएगा ताकि राष्ट्रीय स्तर पर भी विशेषज्ञ डाक्टरों की सलाह मरीजों को मिल सके।

स्वास्थ्य विभाग टेली मेडिसीन के लिए एक एजेंसी का चयन करेगी। इसके लिए शीघ्र ही विभाग टेंडर निकालेगा। यह एजेंसी ही सभी अस्पतालों के बीच टेली मेडिसीन सेवा की व्यवस्था करेगी।

राज्य में डॉक्टरों की है भारी कमी : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सदर अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। इन अस्पतालों में भर्ती गंभीर मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह नहीं मिल पाती है। कई बार इन मरीजों को पीएमसीएच, इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान व आईजीआईएमएस रेफर किया जाता है। कई बार इन बड़े अस्पतालों में मरीजों को रेफर करने के दौरान ही उनकी मौत हो जाती है। अब इस सेवा के शुरू होने के बाद कई गंभीर मरीजों की जान बचेगी। साथ ही दूर-दराज के मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा मिलेगी। राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल बेतिया के प्राचार्य डॉ. राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि बिहार के लिए टेली मेडिसीन सेवा बड़ी उपलब्धि होगी।

सरकारी अस्पतालों में टेली मेडिसीन सेवा शीघ्र लागू होगी। इसके लिए एक एजेंसी का चयन किया जाएगा।

वृद्ध मां को घर में कैद कर बेटा गया ससुराल, 15 दिन बाद हुई आजाद

मुंगेर। असरगंज पंचायत अंतर्गत नई बिरला स्थान के पास एक मुनेश्वर साह अपनी 75 वर्षीय मां भुखनी देवी को घर के अंदर छोड़ बाहर से ताला बंद कर सपरिवार ससुराल होशियारपुर पंजाब चला गया। मां बेटे की राह तकती रही, पर जल्द आने का भरोसा देकर गया बेटा नहीं लौटा।

घर के अंदर रूखा-सूख खाने को जो था, उसे खाकर किसी तरह वृद्धा समय काट रही थी। जब हालत बिगड़ने लगी तो 15 दिनों बाद किसी तरह छत पर चढ़कर पड़ोस के लोगों से मदद मांगी।

सूचना मिलने पर प्रशासन हरकत में आया। सीओ रंजीत कुमार, थानाध्यक्ष सुनील कुमार साहनी, मुखिया दिलीप कुमार रंजन, पूर्व मुखिया वीरेंद्र साह, पूर्व सरपंच शंभू मंडल, वार्ड सदस्य कंचन देवी आदि ने पहुंचकर घर का ताला तोड़ा और वृद्धा को कैद से बाहर निकाला। उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। भुखनी देवी ने बताया कि उसका पुत्र उसे घर में बंद कर खाने के लिए सत्तू और चूड़ा देकर बहुत जल्द आने की बात कहकर गया था। रोज इंतजार कर थक गई। 15 दिन हो गये। तबीयत जब अधिक बिगड़ गई तो किसी तरह घर की छत पर चढ़कर पड़ोस के लोगों से बाहर निकालने की गुहार लगाई। अधिकारियों ने महिला के पुत्र मुनेश्वर साह को दूरभाष पर इसकी सूचना देकर जल्द आने को कहा है। इस संबंध में सीओ रंजीत कुमार ने बताया कि घर में बंद वृद्ध महिला को मुक्त कराकर उसे इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

मलेशिया में गोरखपुर, देवरिया और बिहार के 12 युवक गिरफ्तार

गौरीबाजार (देवरिया)। रोजगार की तलाश में गोरखपुर, देवरिया और बिहार से मलेशिया गए 12 युवकों को मलेशिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस बात की जानकारी देवरिया जिले गौरीबाजार निवासी अवधेश प्रसाद के परिजनों मिली तो हड़कंप मच गया। रविवार सुबह अवधेश ने फोन पर अपने छोटे भाई को इस बात की जानकारी दी। अवधेश ने बताया कि रविवार की सुबह वे देवरिया, गोरखपुर और बिहार जिले के 12 लड़कों के साथ रोजगार की तलाश में भटक रहा था। तभी मलेशिया पुलिस ने उन्हें पकड़ा और मैजिक कार्ड के अभाव में गिरफ्तार कर लिया।

15 लाख नए किसानों को मिलेगा केसीसी : मोदी

पटना। उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में 15 लाख नए किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) मुहैया कराया जाएगा। साथ ही राज्य के 61 लाख केसीसी धारक किसानों को एटीएम कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश बैंकों को दिया गया है। श्री मोदी ने शनिवार को स्थानीय होटल में 62 वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि राज्य में स्थित बैंकों की ग्रेडिंग को लेकर नयी योजनाओं के आधार पर मानक तय किए जाएंगे। राज्य में लोन देने में कोताही बरतने वाले बैंक जो नए मानक के आधार पर खरे नहीं उतरेंगे, उनमें सरकारी धन नहीं रखा जाएगा। दिसंबर तक नए मानकों का निर्धारण कर लिया जाएगा। इस वर्ष 1.10 लाख करोड़ के ऋण के लक्ष्य के विरुद्ध पहली छमाही में बैंकों ने 4.6816 करोड़ अर्थात 43 प्रतिशत लोन बांटा है। कहा कि राज्य में 6.90 लाख स्वयं सहायता समूह है, जिन्हें 3700 करोड़ रुपए का लोन दिया है, जिनकी वसूली की दर 98 प्रतिशत है।

श्री मोदी ने कहा कि बैंकों को प्रति 10 बैंक शाखा में एक में आधार केंद्र खोलने का निर्देश दिया गया है । 31 दिसंबर तक 542 आधार केंद्र खोले जाएंगे। 32 लाख मनरेगा मजदूरों के बैंक खाता को आधार से जोड़ा जाएगा। इनमें अभी मात्र 24 प्रतिशत ही जुड़े है।

सूरत। उमरा जैन संघ पिपलोद में रविवार को ज्ञान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें गरीब बच्चों को ज्ञान के साथ उपहार भी भेंट किए गए।

महिला को निर्वस्त्र कर पीटने के मामले में केस न दर्ज करने पर जांच का आदेश

सूरत। विनीताबेन उर्फ कामिनी तथा दौलतभाई रंगुनवाला की पत्नी(42 वर्ष) निवासी सवाणी ग्राउंड पलोर पलैट न.-ए/102 को पालनपुर पाटिया शागभाजी मार्केट के पास आरोपी द्वारा निर्वस्त्र कर मार मारने की घटना की शिकायत पर वक्त रहते मामला न दर्ज करने पर पुलिस कमिश्नर ने सहायक पुलिस कमिश्नर को जांच का निर्देश दिया है तथा दोषी अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई का आदेश दिया है।

सूरत। शहर के हजीरा रोड स्थित अन्नपूर्णा माता तथा सिद्धी विनायक मंदिर, पाल पाटिया में विश्व शांति के लिए रविवार को एक दिवसीय साध्य लक्षाणिक गणपति अथर्वशीष अनुष्ठान का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सूरत। रविवार को शहर के पाल रोड पर आर्ची मेहता की दीक्षा की शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें जैन संतों के साथ बड़ी संखया में श्रद्धालु शामिल हुए।

दिवाली की छुट्टियों के अंतिम दिन रविवार को बच्चों ने खूब मौज मस्ती की। सूरत के डुमस दरिया के किनारे बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी खूब मौज मस्ती की।

सूरत। नृत्यांग डांस एकेडमी की तरफ से शहर के नानपुरा स्थित रंग उपवन में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विविध स्कूलों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया।

युवक को चकमा देकर दो ठग 36 हाजार लेकर फरार

सूरत। सहारा दरवाजा स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इन्डिया में एक युवक के साथ 36 हजार की धोखाधड़ी हुई होने का मामला सामने आया है । पीड़ित ने बैंक के अपने एकाउन्ट से 36 हजार रुपए निकाले थे । उसी वक्त बैंक में उपस्थित दो ठगों ने पीड़ित को नकली नोट होने का झांसा देकर 2 हजार की 18 नॉट लेकर फरार हो गए ।

सूरत। लायंस क्लब सिल्क सिटी की ओर से रविवार को डायाबटिज चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। खटोदरा पुलिस स्टेशन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस जवानों के साथ कई लोगों ने डायाबटिज की जांच कराई।

उधना में 2.5 लाख की चोरी

सूरत। उधना थाना क्षेत्र की सीमा के भाठेना स्थित रामदेव नगर सोसायटी के एक मकान को रात्री दौरान अनजान चोर उच्चको ने धर में प्रवेश के कबाट में रख्खे सोने चांदी के आभूषण व नगद सहित 2 लाख 5 हजार रुपए की चोरी कर फरार हो गए ।पुलिस सूत्रों के अनुसार उधना के भाठेना स्थित रामदेव नगर सोसायटी निवासी गणेशभाई हशमुखभाई राणा (57वर्ष) रिक्शा चालक है ।2 नवम्बर की रात से 4 नवम्बर की रात्रि दौरान अनजान चोर उच्चको ने गणेश भाई के बंद मकान को निशाना बनाया था ।बदमाशों ने मकान के दूसरे मंजिले की खिड़की के जरिये धर में प्रवेश कर कबाट तोड़ कर अंदर रख्खे सोने चांदी के आभूषण व नगद सहित 2 लाख 5 हजार की चोरी कर फरार हो गए हादसे के चलते पीड़ित गणेशभाई की शिकायत पर उधना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

महिला टीआरबी जवान के साथ शारिरीक छेड़छाड़ करने वाला रिक्शा चालक गिरफ्तार

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन स्थित आर्युवेदिक गरनारा के पास ट्रैफिक नियमन करवा रही एक महिला टीआरबी जवान के साथ रिक्शा चालक ने शारिरीक छेड़छाड़ की होने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है । महीधरपुरा पुलिस के अनुसार चोकबाजार के मन्नत कॉम्प्लेक्स निवासी याशीन चकुर भाई काबरा (19 वर्ष) रिक्शा चलाकर परिवार का गुजारा करता है । 3 नवम्बर की दोपहर सूरत रेलवे स्टेशन स्थित आर्युवेदिक गरनारा के पास से गुजर रहा था इसी दौरान ट्रैफिक नियमन करवा रही एक 19 वर्षीय टीआरबी जवान युवती ने ट्रैफिक जाम होने के चलते यासीन अपनी रिक्शा स्टेशन पोइन्ट पर लेकर खड़ा था जिसके चलते पीड़िता ने उसके रिक्शा पोइन्ट पर से हटा लेने के लिए कहा था जिसके चलते आरोपी ने क्रोधित होकर गाली गलौच कर शारिरिक छेड़छाड़ कर महिला की तरह रहना सीख कहकर फरार हो गया । हादसे के चलते पीड़िता की शिकायत पर महीधरपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर चंद घण्टो में आरोपी रिक्शा चालक को गिरफतार कर लिया।

राज्य में सत्ता की कुंजी पाटीदारों के गढ़ मेहसाणा के पास

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात की राजनीतिक प्रयोगशाला माने जाते मेहसाणा में जीतने वाले राजनीतिक दल को राज्य की सत्ता की कमान मिलती है। उत्तरी गुजरात का मेहसाणा पाटीदार आंदोलन का एपी सेंटर रहा है और चुनाव को लेकर एक फिर चर्चा में आ गया है। आंदोलन का प्रभाव राज्य के पाटीदार वोट बैंक पर पड़ा है। हांलाकि मेहसाणा के मौजूदा राजनीतिक हालात पर कुछ भी कहना फिलहाल मुश्किल है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक मेहसाणा राजनीति की प्रयोगशाला है और राज्य में किसकी सरकार बनेगी, यह मेहसाणा तय करेगा। एक ओर अपने गढ़ बचाने के लिए राज्य के सत्तारूढ़ भाजपा ने पूरी ताकत झोंक रखी है, दूसरी ओर विभिन्न आंदोलन और एन्टी इन्कम्बसी के कारण विपक्षी दल सक्रिय हो गया है। मेहसाणा में सत्ता किसके हाथ आएगी, इस पर निगाह दिल्ली से बनी हुई है। क्योंकि मेहसाणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गृह जिला है और यहां पर जीतने का हरसंभव प्रयास भाजपा कर रही है। फिलहाल यह कहना काफी मुश्किल है कि मेहसाणा का मतदाता किस ओर जाएगा। हांलाकि पंचायत चुनावों में मतदाताओं ने परिवर्तन का संकेत दिया था, जो विधानसभा चुनाव तक बरकरार रहेगा या नहीं, यह आनेवाला वक्त ही बताएगा। इस दफा मेहसाणा से बतौर उम्मीदवार उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के नाम का ऐलान किया जा चुका है। राजनीतिक जानकारी के मुताबिक नितिन पटेल द्वारा किए गए काम विरोधी भी स्वीकार कर रहे है। मेहसाणा, वीसनगर, वीजापुर और बहुचराजी विधानसभा सीटों पर पाटीदारों का प्रभुत्व है और भाजपा की ओर से भले डेमेज कंट्रोल किया गया हो, लेकिन आगामी चुनाव में पाटीदार आरक्षण के सुलगते रहने की पूरी संभावना है। गौरतलब है कि वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मेहसाणा की 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि कांग्रेस को केवल 2 सीटों से संतोष करना पड़ा था। लेकिन बाद में हुए पाटीदार आरक्षण आंदोलन का असर पंचायत-पालिका चुनाव पर पड़ा।

मेहसाणा ला पंचायत, तहसील पंचायत और मेहसाणा नगर पालिका में कांग्रेस ने शानदार विजय हासिल की थी। पाटीदारों में भाजपा के खिलाफ गुस्सा बरकरार रहता है तो कांग्रेस को फायदा ही फायदा है। अब देखना यह होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में इस राजनीतिक लेबोरेटरी का टेस्ट कैसा रहता है।

सौराष्ट्र-कच्छ समेत राज्य में ठंड ने दस्तक दी

अहमदाबाद (ईएमएस)। दीपावली बीतने के 15 दिनों के बाद अब सौराष्ट्र-कच्छ समेत राज्यभर में ठंड की दस्तक होने लगी है। देर रात से सुबह तक ठंड महसूस होने लगी है। सुबह सबेरे घर से निकलनेवाले लोग गर्म वस्त्रों का उपयोग करने लगे हैं। सुबह सूर्यनारायण के दर्शन होते ही वातावरण में गर्मी बढ़ने लगती है। रेगिस्तान इलाकों में सुबह तापमान लुढ़कर 16 डिग्री पहुंचने से लोग कड़ी ठंड का अनुभव कर रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दिनों में ठंड का पारा और नीचे जा सकता है। झालावाड के रेगिस्तानी इलाकों में ठंड का आगमन हो चुका है और लोग गुलाबी ठंड अनुभव करने लगे हैं। ध्रांगध्रा के रेगिस्तान में भी सुबह ठंड का पारा 16 डिग्री को पहुंच जाता है।

गुजरात में अपने 43 विधायकों को टिकट देगी कांग्रेस

फाइनल हो चुके हैं 80 नाम

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनावों में कांग्रेस अपने मौजूदा सभी 43 विधायकों को दोबारा टिकट देने को तैयार है। उसके इस कदम को इन विधायकों की वफादारी का इनाम माना जा रहा है। पार्टी ने अपने उन सभी विधायकों को दोबारा टिकट देने का फैसला किया है, जो उन हालातों में भी पार्टी के साथ खड़े रहे, जब कुछ विधायक इस्तीफा देकर जा रहे थे, जबकि कुछ अगस्त में राजयसभा चुनावों के दौरान बागी तेवर अपनाने वाले शंकर सिंह वाघेला के साथ चले गए थे। हालांकि राजयसभा चुनावों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल बीजेपी के उम्मीदवार को हराने में कामयाब रहे थे। कांग्रेस के सूत्रों ने कहा, ये हमारे मजबूत विधायक हैं, जो भारी प्रलोभन के सामने भी नहीं झुके। इससे कांग्रेस यह संदेश भी देना चाहती है कि पार्टी विरोधियों द्वारा तोड़ने की कोशिश किए जाने के बावजूद एकजुट रहने वाले सदस्यों के साथ खड़ी है। असम और उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की एक बड़ी वजह उसके वरिष्ठ नेताओं का दल बदलना रहा था। गुजरात में 2012 के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने 57 और बीजेपी ने 119 सीटों पर कब्जा किया था। हालांकि मौजूदा हालात में कांग्रेस के पास केवल 43 विधायक हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने 80 नाम फाइनल कर लिए हैं और बाकी पर विमर्श जारी है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हमारे उम्मीदवारों को प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। ऐसा माना जा रहा है कि वाघेला द्वारा अपनी पार्टी बनाने का फैसला 'सेकुलर' कैंप को नुकसान पहुंचा सकता है। वाघेला के ज्यादातर समर्थक बीजेपी के साथ जा चुके हैं, लेकिन टिकट न मिल पाने से खफा भाजपाई उनके खेमे में आ सकते हैं, जिससे वाघेला मजबूत होंगे और कांग्रेस के वोट बंट जाएंगे। इसका फायदा बीजेपी को होगा। नए उम्मीदवारों के चयन में कांग्रेस पाटीदार अनामत आंदोलन समिति के हार्दिक पटेल और दलित कार्यकर्ता जिग्नेश मेवाणी जैसे सामाजिक नेताओं की भी सलाह लेने पर विचार कर रही है।

एक करोड़ की पुरानी नोटों के साथ वकील गिरफ्तार

ADVOCATE

जामनगर (ईएमएस)। एलसीबी पुलिस ने शहर के रणजीतनगर के निकट से प्रतिबंधित रु. 500 और रु. 1000 के दर की एक करोड़ की नोटों के साथ एक वकील को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक जामनगर एलसीबी को सूचना मिली थी कि शहर के रणजीतनगर स्थित पटेल समाज के निकट से एक शख्स पुरानी नोट लेकर निकलनेवाला है। सूचना के आधार हरकत में आई एलसीबी ने वाहनों की जांच शुरू कर दी। इस रणजीतनगर के निकट से गुजर रहे स्कूटर सवार को संदेह के आधार पर रोक लिया। 60 वर्षीय महमद सिद्दीक इब्राहिम कुरैशी नामक शख्स की तलाशी रु. 3500000 की रु. 1000 के दर की 3500 नोट और रु. 6500000 की रु. 500 के दर की 13000 नोट बरामद हुई। पुलिस ने प्रतिबंधित एक करोड़ की नोट जब्त कर रकम कहां से लाई गई और कहां ले जाई जा रही थी, इस दिशा में जांच शुरू कर की है। पुलिस ने आयकर विभाग को भी घटना की जानकारी दे दी है।

कोर्ट ने आतंकी अजमेरी को जेल भेजा, रिमांड की मांग खारिज

अहमदाबाद। 15 साल बाद पकड़े गए अक्षरधाम मंदिर हमले के मास्टर माइंड अब्दुल रशीद अजमेरी की रिमांड की मांग खारिज करते हुए अदालत उसे जेल भेज दिया। डेढ़ दशक से फरार आतंकी अब्दुल रशीद अजमेरी को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 4 नवंबर को हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। सऊदी अरब के रियाद में छिपा बैठा अब्दुल रशीद अजमेरी के अहमदाबाद आने की भनकर लगते हुए क्राइम ब्रांच ने उसे एयरपोर्टसे दबोच लिया। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने आज अब्दुल रशीद अजमेरी को न्यायधीश पीबी देसाई निवासस्थान पर पेश कर 14 दिनों की रिमांड मांगी थी। लेकिन पीबी देसाई ने रिमांड की मांग को खारिज करते हुए अब्दुल रशीद अजमेरी को 10 दिनों के लिए जेल भेज दिया। न्यायधीश ने जेल में जाकर अजमेरी से पूछताछ करने की क्राइम ब्रांच को मंजूरी दी है। जैशे मोहमद और लश्करे तोइबा से संबंधों समेत फंडिंग इत्यादि के बारे में पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच आतंकी अब्दुल अजमेरी की रिमांड की मांगी थी। गौरतलब 24 सितंबर 2002 को गांधीनगर स्थित अक्षरधाम मंदिर में बंदूकधारियों ने घुसकर फायरिंग शुरू कर दिया था।

राज्य में उम्मीदवारों की घोषणा के बाद जमेगा चुनावी माहौल

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भले ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हों, लेकिन असली माहौल तो भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद बनेगा। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों के चयन प्रक्रिया में व्यस्त हैं। कांग्रेस ने 100 उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं और 82 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन में कश्मकश चल रही है। भाजपा ने भी उम्मीदवारों के नाम की पैनल तैयार कर ली है, जिसे अंतिम रूप देना शेष है। नामांकन दाखिल करने के अंतिम के पहले सिलसिलेवार उम्मीदवारों की घोषणा के बाद राज्य में वास्तविक चुनावी माहौल देखने को मिलेगा। गुजरात विधानसभा चुनाव पर भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह का गृह राज्य होने से पहले के मुकाबले सीटें कम होती हैं तो दोनों की किरकिरी होना तय है। इसीलिए भाजपा ने गुजरात विधानसभ चुनाव में एडीचोट का जोर लगा दिया है। दीपावली पर्व के दौरान गुजरात में लंबे दौर की मुलाकात के बाद अमित शाह ने फिर एक बार गुजरात में पांच दिवसीय तूफानी दौरा शुरू कर दिया है। कच्छ-सौराष्ट्र के बाद अमित शाह दक्षणि और मध्य गुजरात के 7 जिलों के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात कर रहे हैं। शनिवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली गुजरात आए थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तात्पीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) **E-mail: krantisamay@gmail.com**